साहित्य उत्सव में महिला कवयित्री और लेखिकाओं के गूंजे काव्य स्वर

साहित्य उत्सव का दूसरा दिन पूरी तरह महिला रचनाकारों के नाम रहा, महिला लेखिकाओं की आवाज बनी सरगम

जागरण संवाददाता, नई दिल्ली : साहित्य उत्सव का दूसरा दिन महिला दिवस के अवसर पर पूरी तरह महिला रचनाकारों के नाम रहा। देशभर से आई महिला कवयित्री और लेखिकाओं ने अपनी-अपनी भाषा में कविता पाठ कर साहित्य के मंच को विविधता से भर दिया। अंग्रेजी, बडला, मैथिली, उर्दू, संस्कृत, मराठी और कश्मीरी जैसी भाषाओं में प्रस्तुत किए गए काव्य पाठों ने श्रोताओं के दिलों को छू लिया।

गंगा सभागार के तीनों सत्र 'अस्मिता' शीर्षक से महिला लेखिकाओं पर केंद्रित रहा। सेबंती घोष ने कविता 'संप्रदाय' सुनाई। इसके अलावा दो हिंदी कविता दो चार बातें व सलामी के साथ दो अंग्रेजी कविता गर्ल्स स्टोरीज व द मैरिड गर्ल का पाठ किया। जिसको उपस्थित लोगों ने पूरी तल्लीनता से सुना और उनकी प्रस्तुति पर उत्साहवर्धन किया। वहीं, अंजलि बसुमतारी ने अपनी बोडो कविता मैं काली बोल रही हूं का पाठ हिंदी अनुवाद के साथ किया। जबकि नंदिनी साहू ने अपनी दो अंग्रेजी कविता सिस्टरहुड व अक्षयपात्र इन जगन्नाथ पुरी का पाठन किया।

कवयित्री निकिता भागवत ने एक हिंदी कविता और अपनी संस्कृत कविता को सुरों के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रीति पुजारा ने कन्या भ्रूण हत्या पर पर आधारित अपनी कविता की संगीतबद्ध प्रस्तुति दी। मल्लिका नसीम ने अपनी उर्दू कविता 'एक औरत' जो महिला द्वारा सामना किए गए संघर्षों पर आधारित रही। जिसको श्रोताओं ने जमकर सराहना की। सत्र का समापन अनामिका की हिंदी कविता महिला पाठ के साथ हुआ। को दूसरे सत्र में महिला लेखिकाओं ने हम जादू बुनते हैं, के तहत विभि विषयों पर आधारित कहानी-प किया। इस दौरान निर्मल विक्रम ने अपनी डोगरी कहानी 'चंबा' पढ़ी। वहीं, पद्मिनी नागराजू ने अपने कन्नड कहानी का अंग्रेजी अनुव वीमेंस इनहेरेंट टैलेंट मैनिफेस्ट के माध्यम से पीढ़ी दर पीढ़ी के अ और निरंतर आधुनिक हो रहे समा की समस्याओं के बारे में बताय। गुरु अरिबम घनप्रिया देवी ने अपने मणिपुरी कहानी का हिंदी अनुव मेरी मां के स्वर्ण-रूपी पैर में एक माता के बेटे की भावनाओं को दर्शाया।

शालिनी सागर ने अपनी सिं कहानी का हिंदी अनुवाद ममता के मौत में एक ट्रांसजेंडर की कहा को व्यक्त किया। जो एक अन बच्चे को पालता है। सत्र का समाप सूर्यबाला की हिंदी कहानी एक स्त्री के कारनामे के साथ हुआ।